

अमृत विचार

वर्ष 5, अंक 5, पृष्ठ 16+4, मूल्य: 5 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार



इस बार के रविवासी संस्करण 'लोक दर्पण' में, भीमताल में तितलियों का अनोखा संग्रह व अन्य विशेषों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

अज का मौसम

36.0° अधिकतम तापमान

21.0° न्यूनतम तापमान



आसमान साफ रहेगा, धूप खिली रहेगी।

सूर्योदय 06:01
सूर्यास्त 18:25

मुरादाबाद, रविवार, 31 मार्च 2024

फिल्म खेल-खेल में लीड रोल में नजर आएंगी तापसी-वाणी... 15

गाजीपुर के कालीबाग कब्रिस्तान में शव दफन किया गया, मुख्तार की फरार पत्नी अफसां और जेल में बंद बेटा अब्बास नहीं हो सके जनाजे में शामिल

कड़ी सुरक्षा और भारी भीड़ के बीच मुख्तार सुपर्द-ए-खाक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्तार के शव को शनिवार सुबह 11 बजे सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुपर्द-ए-खाक किया गया। गाजीपुर स्थित मुहम्मदाबाद के कालीबाग कब्रिस्तान में मुख्तार की कब्र पिता सुभानउल्ला अंसारी व मां बेगम राबिया खातून के पास है। इसी बीच मुख्तार की मौत की जांच भी तेज हो गई है। शनिवार को ही डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल एवं एसपी अंकुर अग्रवाल ने जेल का निरीक्षण किया। गुरुवार रात मुख्तार की बांदा मेंडिकल कालेज में हुई मौत के बाद



गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के अंतिम संस्कार के दौरान जमा हुए लोग। ● एजेंसी

शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव देर रात दो बजे मुहम्मदाबाद पहुंचा। बिहार के बाहुबली शहाबुद्दीन का बेटा ओसामा भी जनाजे में पहुंचा। बेटे उमर ने मुख्तार की मूंछों को आखिरी बार ताव दिया। कब्रिस्तान के पास 3 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात थे। परिवार के अलावा किसी को

कैमरों की फुटेज सील

लखनऊ। मुख्तार अंसारी की मौत की न्यायिक और मजिस्ट्रेट जांच से पहले बैरक और निगरानी में लगे सीसीटीवी के फुटेज सील कर दिए गए हैं। मुख्तार को कौन-कौन सी बीमारियां थीं, कब-कहां और किससे इलाज कराया गया, कौन-कौन सी दवाएं चल रही थीं, इसकी रिपोर्ट जेल प्रशासन तैयार कर रहा है।

कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी गई। इस पर गाजीपुर डीएम आर्यक अखौरी और सांसद अफजाल अंसारी ने बहस भी हुई। मुख्तार के बड़े भाई

अफजाल अंसारी, पूर्व विधायक सिबगतुल्लाह अंसारी, मुहम्मदाबाद विधायक भतीजे सुहेब अंसारी, बेटा उमर ने अंतिम विदाई दी। मुख्तार की फरार पत्नी अफसां और कासमोज जेल में बंद अब्बास जनाजे में नहीं आ सके। बांदा में मुख्तार की मौत को लेकर न्यायिक और मजिस्ट्रेट जांच शुरू हो गई है। शनिवार को बांदा जिला जज डा. बबू सारंग, डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल, एसपी अंकुर अग्रवाल और एडीजे की टीम मंडल कारागार पहुंची। टीम ने बैरक 16 की 45 मिनट जांच की, जिसमें मुख्तार था। टीम ने सीसीटीवी को परखा।

आरोपों की जांच होनी चाहिए : अजय राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने मुख्तार अंसारी की मौत प्रकरण में कहा कि आरोपों की जांच की होनी चाहिए। मुख्तार की मौत के दो दिन बाद चुपी तोड़ते हुए उन्होंने कहा कि न्यायाधिकार ने हमारे साथ न्याय किया था। इसके लिए न्यायाधिकार का हमेशा आभारी रहूंगा। उन्होंने कहा कि मौत के बाद किसी पर टिप्पणी करना ठीक नहीं है। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया के बीच मौत को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि जांच होनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के ही बड़े भाई अवधेश राय की हत्या के मामले में अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

मायोकार्डियल इन्फार्क्शन मौत की वजह, विसरा सुरक्षित

मुख्तार अंसारी की मौत के बाद उसे सवालियों के बीच शनिवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आयी। इसमें मुख्तार की मौत की वजह मायोकार्डियल इन्फार्क्शन के चलते बताई गई है। चिकित्सीय भाषा में इसे मायोकार्डियल रोडगलन (एमआई) कहते हैं जिसे आमतौर पर दिल का दौरा कहा जाता है। धमनियों में किसी एक हिस्से में रक्त के प्रवाह में कमी या पूर्ण समाप्ति के कारण अचानक मृत्यु हो सकती है। वहीं, स्लो-पॉयजेंट के दिए जाने के मद्देनजर विसरा भी सुरक्षित रख लिया गया है।

नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत मिला भारत रत्न

कर्पूरी ठाकुर और स्वामीनाथन के परिजनों को राष्ट्रपति ने दिया सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन तथा बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर को 'भारत रत्न' मरणोपरांत प्रदान किया। राव, सिंह, ठाकुर और स्वामीनाथन को दिए पुरस्कार उनके परिजनों ने लिए। नरसिम्हा राव का सम्मान उनके पुत्र पीवी प्रभाकर राव, चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी, स्वामीनाथन की बेटी नित्या राव और कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर ने पुरस्कार ग्रहण किया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आदि उपस्थित रहे। सरकार ने इसके अलावा पूर्व उप प्रधानमंत्री एलके आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा की थी। बहुभाषाविद्, राजनेता और विद्वान, पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्री



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भारत रत्न प्राप्त करते पीवी प्रभाकर राव, जयंत चौधरी, रामनाथ ठाकुर और नित्यारव। ● एजेंसी

ये किसानों, पिछड़ों के प्रति प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों, कृषि वैज्ञानिक और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को भारत रत्न से सम्मानित करना मोदी सरकार की किसानों, दलितों और पिछड़ों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि देश की चार प्रमुख हस्तियों को देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित करना किसानों, दलितों और पिछड़े लोगों के प्रति नरेंद्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। महान हस्तियों को सम्मानित करने के फैसले के लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

रहने के दौरान देश में आर्थिक सुधारों की शुरुआत हुई थी। वह 1991 से 1996 तक दक्षिणी राज्य से देश के पहले प्रधानमंत्री थे। चौधरी चरण सिंह 28 जुलाई 1979 और 14 जनवरी 1980 के बीच प्रधानमंत्री रहे। कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन का कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा। उन्होंने 1971 में अनाज उत्पादन में देश को आत्म-निर्भर घोषित किया। 'जननायक' के रूप में मशहूर ठाकुर पहले गैर-कांग्रेसी नेता थे जो दिसंबर 1970 से जून 1971 तक और दिसंबर 1977 से अप्रैल 1979 तक दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे।

प्रधानमंत्री ने सम्मानित हस्तियों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव और चौधरी चरण सिंह सहित अन्य दिग्गजों को श्रद्धांजलि दी। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, कर्पूरी ठाकुर ने जीवन सामाजिक न्याय को समर्पित किया। चौधरी चरण सिंह ने ग्रामीण विकास में योगदान दिया। नरसिम्हा राव ने आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाया और डॉ. स्वामीनाथन के कृषि विज्ञान के क्षेत्र में अद्वैत कार्य किए।

दिल्ली के मंत्री गहलोत ईडी के सामने हुए पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता कैलाश गहलोत आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के मामले में पूछताछ के लिए शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नजफगढ़ से आप विधायक गहलोत मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में परिवहन, गृह और कानून मंत्री हैं। कैलाश गहलोत को सुबह साढ़े 11 बजे मध्य दिल्ली स्थित ईडी कार्यालय में प्रवेश करते देखा गया। सूत्रों ने कहा कि गहलोत पूछताछ

आबकारी नीति मामला

● नजफगढ़ से आप विधायक हैं दिल्ली सरकार में परिवहन, गृह और कानून मंत्री

के लिए उपस्थित होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। उनसे नीति के निर्माण के संबंध में पूछताछ हो सकती है, क्योंकि वह 2021-22 के लिए शराब नीति की तैयारी और कार्यान्वयन के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिंसोदिया और पूर्व शहरी विकास मंत्री सत्येंद्र जैन के समूह का हिस्सा थे।

डंपर से टकराकर पलटी कार चालक, दो छात्रों की मौत

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार : प्रवेश परीक्षा देने दिल्ली जा रहे छात्रों की कार गाजियाबाद में डंपर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में अमरोहा के कार चालक और दो छात्रों की मौत हो गई। जबकि आठ छात्र घायल हुए हैं। अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के गांव कांकर सराय निवासी अनस (22) पुत्र आशिक अली अपनी कार से 11 छात्रों को दिल्ली स्थित जामिया इस्लामिया में छठी कक्षा के लिए प्रवेश परीक्षा दिलाने जा रहा था। जब वह गाजियाबाद में क्रासिंग रिपब्लिक

● दिल्ली स्थित जामिया इस्लामिया में छठी कक्षा में प्रवेश के लिए परीक्षा दिलाने जा रहे थे 11 छात्र

क्षेत्र में पहुंचा तो यहां दिल्ली-मेट्रो एक्सप्रेसवे पर खड़े डंपर से टकराकर कार पलट गई। इस बीच साइड में चल रही डीसीएम भी कार से टकराकर पलट गई। हादसे में कार चालक अनस, छात्र उनेश (10) पुत्र रहमान निवासी नूरपुर, जनपद बिजनौर और आजम (12) पुत्र अशरफ निवासी असमोली जिला संभल की मौत हो गई। जबकि कार सवार आठ छात्र, डीसीएम चालक व एक अन्य भी घायल हुए हैं।

यूपी बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन पूरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कॉपियों का मूल्यांकन निर्धारित समय 31 मार्च से पहले शनिवार को ही समाप्त हो गया। 16 मार्च से शुरू हुई मूल्यांकन प्रक्रिया 30 मार्च तक चली। जिसमें 3.1 करोड़ कॉपियों को चेक किया गया। इसके साथ ही मूल्यांकन कार्य में लगे 1.50 लाख से अधिक शिक्षकों ने अहम भूमिका निभाई है। माध्यमिक शिक्षा परिषद सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने बताया कि पहली बार 12 कार्य दिवसों



में यूपी बोर्ड परीक्षा की कॉपियों का मूल्यांकन समाप्त हुआ है। इससे पहले इतने कम समय में कॉपियां कभी नहीं चेक हुईं हैं। उन्होंने शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नकलविहीन परीक्षा और सुविधापूर्ण मूल्यांकन तीनों प्रक्रिया में शिक्षकों का अहम योगदान है।

● 36 करोड़ रुपये से अधिक मूल्यांकन का पारिश्रमिक शुल्क विभाग को होगा चुकाना

● 3.1 करोड़ कॉपियां निधारित अवधि 31 मार्च से पहले ही हो गईं चेक

36 करोड़ से अधिक का करना होगा भुगतान

यूपी बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा होने के बाद अब विभाग को शिक्षकों को 36 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करना होगा। मौजूदा व्यवस्था में दसवीं में प्रत्येक कॉपी का 11 रुपये और इंटरमीडिएट में प्रति कॉपी का 13 रुपये मूल्यांकन का पारिश्रमिक शुल्क भुगतान विभाग को भुगतान करना होगा।

सोमवार से शुरू होगी आगे की प्रक्रिया

मूल्यांकन समाप्ति के बाद अब सोमवार को बोर्ड परीक्षा के परिणाम को लेकर आगे की प्रक्रिया शुरू की जायेगी। परीक्षा परिणाम में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो जाए इसके विशेष ध्यान में रखते हुए परिणाम की घोषणा की जायेगी। संभवतः अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में परिणाम जारी हो जायेगा।

राष्ट्रीय मसीही विकास संगठन रजि. की ओर से

सभी देश, प्रदेश और क्षेत्रवासियों, इष्टमित्रों एवं शुभचिंतकों को पुनुरुत्थान दिवस ईस्टर के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

विजय टाईटलर
राष्ट्रीय अध्यक्ष

ग्लैडविन डिसूजा
राष्ट्रीय महासचिव

डा. अमित उठवाल एड.
वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता

विशप सोनू कुमार
सिलास गैजा
राष्ट्रीय संयोजक

अशोक डेविड
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

राजेश पैट्रिक
राष्ट्रीय सचिव

गगन विश्वास सिंह
राष्ट्रीय उपकोषाध्यक्ष

मुकुल कुमार
जिला अध्यक्ष
अमरोहा

सौजन्य से: दीपक गिल जिला सचिव मंडी धनौरा, अमरोहा, मो0- 9756785212

साल 2014 में मोदी लहर के चलते भाजपा ने पश्चिमी यूपी की सभी 16 सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन 2019 में जब बसपा, सपा और रालोद ने हाथ मिलाया, तो यहां भाजपा के सांसदों की संख्या घटकर नौ पर पहुंच गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मुसलमानों ने विपक्षी गठबंधन के लिए थोक में मतदान किया। इस कारण यूपी में इसी इलाके में भाजपा ने 2014 की तुलना में सबसे ज्यादा सीटें गंवा दीं। यहां जिन सीटों पर मुस्लिम वोटों का दबदबा है, उनमें सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र भी शामिल है।

सहारनपुर में तिकोने संघर्ष के आसार

मनोज त्रिपाठी, चुनाव डेस्क

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में मिशन-80 का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा का फोकस उन 17 सीटों पर सबसे ज्यादा है, जिन्हें वह पिछले 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के बावजूद हार गई थी। इनमें सहारनपुर सीट भी शामिल है। 2019 में सपा, बसपा और रालोद गठबंधन के प्रत्याशी हाजी फजलुर्रहमान ने भाजपा के राघव लखन पाल शर्मा को यहां से हराकर जीत हासिल की थी। कांग्रेस के प्रत्याशी पूर्व विधायक इमरान मसूद दो लाख से ज्यादा वोट लेकर अपनी जमानत बचाने में कामयाब रहे थे। इस बार भाजपा ने यहां से तीसरी बार राघव लखन पाल शर्मा दांव लगाया है। राघव 2014 में पहली बार यहां से जीतकर संसद में पहुंचे थे। तब उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद को 60 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। हालांकि 2019 के चुनाव में वह बसपा के प्रत्याशी हाजी फजलुर्रहमान से करीब 22 हजार मतों से पिछड़कर चुनाव हार गए थे। तब बसपा और सपा ने गठबंधन करके चुनाव लड़ा था। इस बार सपा और कांग्रेस के बीच हुए गठबंधन में सीट कांग्रेस को मिली है। कांग्रेस ने यहां से इमरान मसूद को फिर एक बार मौका दिया है। लेकिन बसपा ने इस सीट पर माजिद अली को उम्मीदवार बनाकर गठबंधन प्रत्याशी इमरान मसूद के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। माजिद अली ने वर्ष 2017 में विधानसभा का चुनाव बसपा के टिकट से लड़ा था। लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। माजिद वर्तमान में देवबंद क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य हैं।

सांप्रदायिक ध्वीकरण हर चुनाव में सियासत को सर्द-गर्म करता रहता

■ साल 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों ने पश्चिमी यूपी के सामाजिक समीकरण के साथ माहौल बदल दिया था। सहारनपुर की राजनीतिक और सामाजिक तस्वीर भी इससे अछूती नहीं रही थी। वर्ष 2014 में चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता इमरान मसूद का भाजपा के पीएम प्रत्याशी नरेंद्र मोदी को लेकर दिया गया चर्चित 'बोटी - बोटी' वाले बयान ने वोटों का सीधा बंटवारा कर दिया था। इसके बाद से चुनाव आने पर सांप्रदायिक ध्वीकरण की बयार यहां बहती ही रहती है और सियासत को गर्म-सर्द करती रहती है।

समीकरण 2019 जैसे

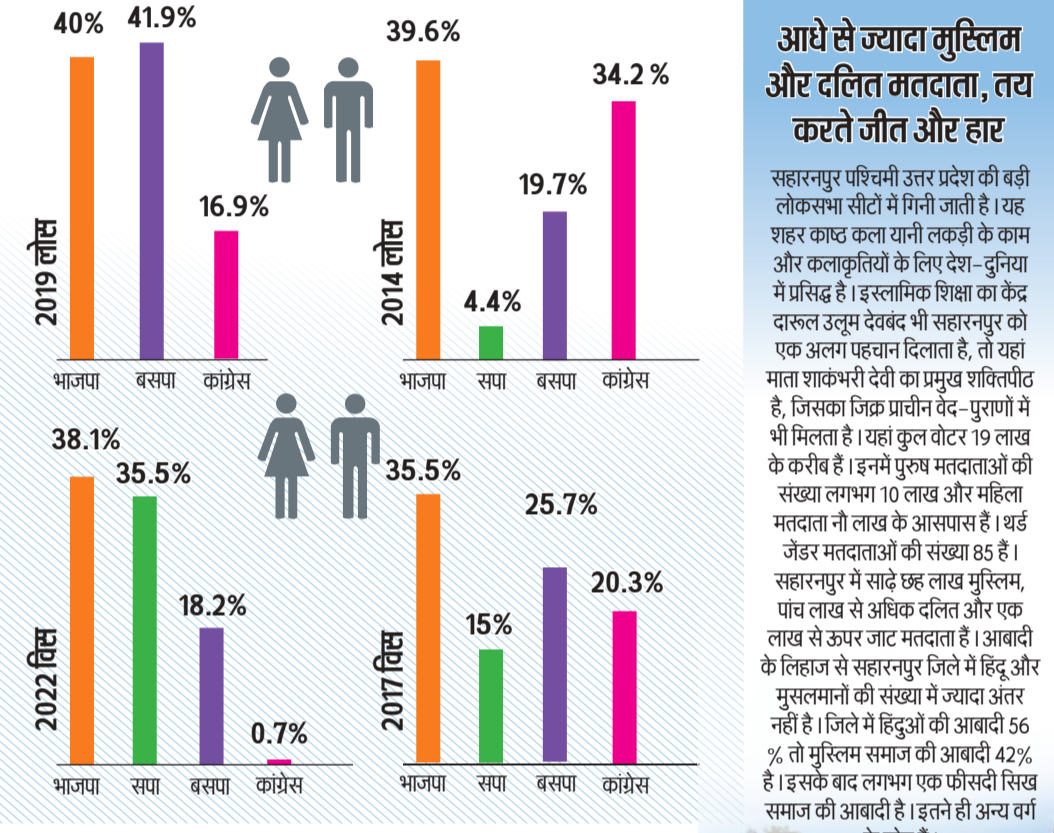
■ समीकरण 2019 जैसे, दलित-मुस्लिम गठजोड़ बिगाड़ सकता भाजपा का खेल : सहारनपुर में एक बार फिर से पिछले चुनाव जैसे ही हालात बन रहे हैं। कांग्रेस और सपा से इमरान मसूद तथा बसपा से माजिद अली के बीच मुस्लिम वोटों के साथ दलित वोटों का घमासान छिड़ा है। ऐसे में अगर एक बार फिर से यहां मुस्लिम-दलित गठजोड़ बना तो भाजपा के लिए मुकामला कड़ा हो सकता है। दो मुस्लिम प्रत्याशी होने के समीकरण का फायदा उठाने के लिए भाजपा को दलितों को साधना ही होगा। 2019 में भी भाजपा से प्रत्याशी राघव लखनपाल शर्मा ही थे। उनके सामने कांग्रेस से इमरान मसूद और बसपा से हाजी फजलुर्रहमान मैदान में थे। उस दौरान समीकरण तो भाजपा पर जनता दल या जनता पार्टी ने कब्जा बनाए रखा। हालांकि बीच में 1984 के चुनाव में कांग्रेस ने वापसी की थी। 1996 के चुनाव के बाद सहारनपुर सीट दो बार भाजपा, दो बार बसपा, एक बार सपा और 2014 की मोदी लहर में भाजपा के खाते में आ गई।

पिछले तीन चुनावों से हर बार नई पार्टी और नया सांसद चुना जनता ने

सहारनपुर में पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। यहां के मतदाताओं ने पिछले तीन चुनावों में हर बार नई पार्टी और नया सांसद चुनकर अपने बदलाव के मिजाज को प्रदर्शित किया है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार के चुनाव में यहां के मतदाता अपने पिछले ही रुझान पर कायम रहते हैं या इस परिपटी को बदलने का काम करते हैं। फिलहाल लोगों से बातचीत करने पर यहां त्रिकोणीय संघर्ष होने की बात सामने आ रही है। सहारनपुर सीट पर पहला चुनाव वर्ष 1952 में हुआ था, तब से लेकर 1977 तक इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा रहा था। 1977 में आपात काल के बाद हुए चुनाव से लेकर 1996 तक इस सीट पर जनता दल या जनता पार्टी ने कब्जा बनाए रखा। हालांकि बीच में 1984 के चुनाव में कांग्रेस ने वापसी की थी। 1996 के चुनाव के बाद सहारनपुर सीट दो बार भाजपा, दो बार बसपा, एक बार सपा और 2014 की मोदी लहर में भाजपा के खाते में आ गई।

1952 से 1977 तक हुए चुनावों में इस सीट पर कांग्रेस का रहा कब्जा

03 चुनावों में जनता ने हर बार नई पार्टी और नया सांसद चुना

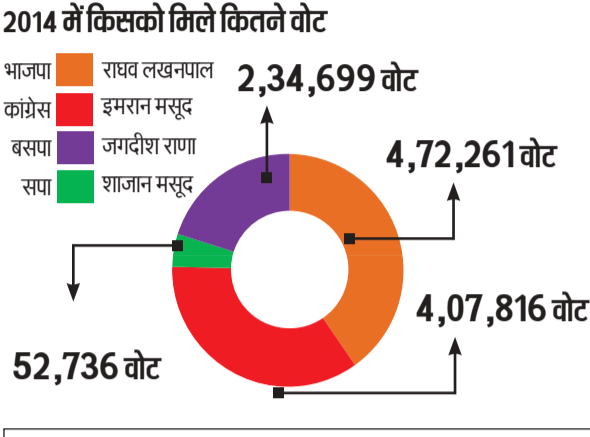
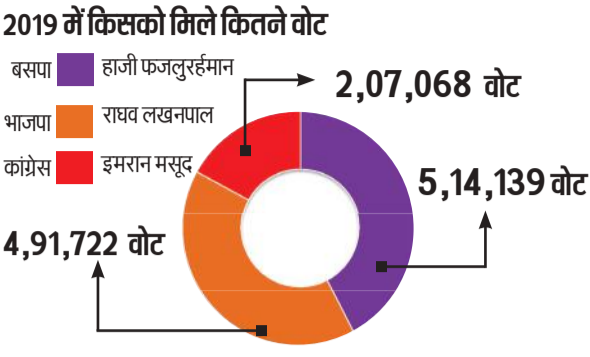


आधे से ज्यादा मुस्लिम और दलित मतदाता, तय करते जीत और हार

सहारनपुर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की बड़ी लोकसभा सीटों में गिनी जाती है। यह शहर काष्ठ कला यानी लकड़ी के काम और कलाकृतियों के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। इस्लामिक शिक्षा का केंद्र दारुल उलूम देवबंद भी सहारनपुर को एक अलग पहचान दिलाता है, तो यहां माता शाकंभरी देवी का प्रमुख शक्तिपीठ है, जिसका जिक्र प्राचीन वेद-पुराणों में भी मिलता है। यहां कुल वोट 19 लाख के करीब है। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या लगभग 10 लाख और महिला मतदाता नौ लाख के आसपास हैं। थर्ड जेंडर मतदाताओं की संख्या 85 है। सहारनपुर में साढ़े छह लाख मुस्लिम, पांच लाख से अधिक दलित और एक लाख से ऊपर जाट मतदाता हैं। आबादी के लिहाज से सहारनपुर जिले में हिंदू और मुसलमानों की संख्या में ज्यादा अंतर नहीं है। जिले में हिंदुओं की आबादी 56% तो मुस्लिम समाज की आबादी 42% है। इसके बाद लगभग एक फीसदी सिख समाज की आबादी है। इतने ही अन्य वर्ग के लोग हैं।

किसी दल ने यहां कभी नहीं दिया किसी महिला प्रत्याशी को टिकट

■ सहारनपुर लोकसभा सीट पर मजदूर तथ्य यह है कि 47 फीसदी महिला मतदाता होने के बावजूद आज तक किसी भी चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल ने महिला प्रत्याशी मैदान में नहीं उतारा है। इसके चलते कोई भी महिला लोकसभा में नहीं पहुंची है। इस सीट पर अब तक मात्र पांच महिलाएं ही चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतरी हैं। सभी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में किस्मत आजमाई है। इस बार भी एक महिला प्रत्याशी निर्दलीय शबनम चुनाव मैदान में है।



मतदाताओं का विधानसभा वार हिसाब-किताब

विधानसभा	पुरुष	महिला	थर्ड जेंडर	कुल योग
बेहत	196576	177677	12	374265
सहारनपुर नगर	236044	214934	50	451028
सहारनपुर देहात	194644	1722930	10	367584
देवबंद	182456	160278	11	342745
रामपुर मनिहारान	168701	147522	02	3162225

2022 के विस चुनाव में भाजपा देवबंद समेत तीन सीटों पर जीती थी

■ सहारनपुर लोकसभा के अंतर्गत पांच विधानसभा क्षेत्र आते हैं। 2022 में हुए विधानसभा चुनावों में तीन पर भाजपा और दो सीटों पर सपा ने जीत हासिल की थी। भाजपा के हिस्से में सहारनपुर नगर, देवबंद और रामपुर विधानसभा सीट आई थीं, जबकि सहारनपुर देहात और बेहत विधानसभा सीटों पर ने जीत हासिल की थी। बेहत विधानसभा सीट से सपा के उमर अली खान, देहात से आर्यु मलिक चुनाव जीते थे। बाकी तीन विधानसभा सीटों में देवबंद से भाजपा के कुंवर बूजेश सिंह, सदर से राजीव गुंवर और रामपुर मनिहारान से देवेंद्र निगम ने जीत हासिल की थी।

सपा और बसपा ने मौका नहीं दिया कांग्रेस ने तीसरी बार टिकट थमाया

■ पूर्व केंद्रीय मंत्री रशीद मसूद के भतीजे इमरान मसूद ने 2007 में मुजफ्फराबाद विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़कर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे जगरीश राणा को हराया था। 2012 का विधानसभा चुनाव इमरान ने कांग्रेस के टिकट पर नकड़ से लड़ा, लेकिन बसपा के डा. धर्म सिंह से हार गए थे। 2014 में कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया, फिर 2019 में भी टिकट दिया। लेकिन इमरान मसूद जीत नहीं पाए। लगातार हार के चलते 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले इमरान कांग्रेस का हाथ छोड़कर सपा में शामिल हो गए। लेकिन सपा ने उन्हें चुनाव नहीं लड़ाया। ऐसे में नगर निगम चुनाव के दौरान सपा की साइकिल से उतरकर वह बसपा में चले गए। बसपा में रहते हुए उन्होंने अपनी भाभी खदीजा मसूद को महापौर का चुनाव लड़ाया पर हार मिली। इसके बाद उन्हें बसपा से निकाल दिया गया। ऐसे में छह माह पहले इमरान मसूद फिर कांग्रेस में शामिल हो गए और पार्टी ने उन्हें तीसरी बार लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बना दिया।



लोकसभा चुनाव को लेकर परिचम बंगाल में कारोबारी भी तरह- तरह की प्रचार सामग्री बनाने में जुटे हुए हैं। ऐसे ही एक कारोबारी ने भाजपा, माकपा, भाकपा, कांग्रेस और टीएमसी के चुनाव निशान वाली पतंगें तैयार की हैं। इन पतंगों की वहां पर जबरदस्त मांग है। पार्टी कार्यकर्ता बड़े पैमाने पर पतंग खरीद रहे हैं।

शिवसेना यूबीटी ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने लोकसभा चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की। इस सूची में पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे, युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे, राज्यसभा सदस्य संजय राउत सहित अन्य लोग शामिल हैं। ये स्टार प्रचारक प्रदेश में लोकसभा चुनाव का सही जगह प्रचार करेंगे। अन्य मुख्य स्टार प्रचारकों में सुभाष देसाई, अनंत गिते, चंद्रकांत खरे, सांसद अरविंद सार्वत, विधायक भास्कर जाधव, सांसद अनिल देसाई, विनायक राऊत, विधायक वकील अनिल परब आदि शामिल हैं।

पीलीभीत में जितन की जीत के लिए भाजपा कर रही हर जतन

वैभव शुक्ला, पीलीभीत

अमृत विचार: नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के साथ पीलीभीत सीट पर सियासी रणभेरी बज चुकी है। भाजपा से टिकट न मिलने पर वरुण गांधी के निर्दलीय चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन उनके चुप हो जाने से भाजपा की राह थोड़ी आसान हो गई है। पीलीभीत सीट अब भाजपा की प्रतिष्ठा से जुड़ चुकी है। इसके लिए दिग्गजों ने डेरा जमा लिया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। पीलीभीत सीट से 1952 में पहले सांसद कांग्रेस से मुकुंदलाल अग्रवाल बने थे। भाजपा को इस सीट पर काबिज होने में 39 साल लग गए। 1991 में रामलाल के बीच भाजपा के परशुराम गंगवार ने जीत दर्ज कराई। इससे पहले 1989 में जूराना दल के टिकट पर चुनाव लड़कर मेनका गांधी सांसद बनीं। बाद में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर 2004 में मेनका गांधी सांसद बनीं। 2009, 2014 और 2019 में मेनका गांधी और वरुण गांधी ही सांसद चुने गए। इससे पूर्व 1998 और 1999 के चुनाव में स्वतंत्र चुनाव लड़ीं मेनका गांधी को भाजपा का समर्थन रहा था। अब 2024 के लोकसभा चुनाव में तस्वीर अलग है। मेनका और वरुण गांधी दोनों इस सीट पर नहीं हैं। सूबे के कैबिनेट मंत्री जितन प्रसाद भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनके मुकामले समाजवादी पार्टी ने पूर्व मंत्री भगवन सरन गंगवार और बसपा ने पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूलबाबू को प्रत्याशी बनाया है। यहां पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। ऐसे में दिन

दिख रहा सबका साथ... कहीं हो न जाए भितरघात

■ भारतीय जनता पार्टी से इस बार दावेदारों की लंबी फेहरिस्त थी। हालांकि टिकट घोषणा के बाद कुछ दावेदारों के बग़ावत करने के आसार दिखाई दे रहे थे, जिसे शीघ्र नेतृत्व ने संभाल लिया है। अब अधिकांश दावेदार भाजपा प्रत्याशी के साथ ही मंच साझा करते दिख रहे हैं। जिससे सबका साथ तो दिखाई दे रहा है। मगर, चुनावों में भितरघात आम बात है। इस पर नजर बनी हुई है। चर्चा तो ये थी कि ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए संगठन भी सख्त है। क्षेत्रवार नजर रखी जा रही है। अगर भितरघात की स्थिति बनी तो आगे गज भी गिरेगी।

बसपा का माहौल बनाने 15 को आएंगी मायावती

■ बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह गौतम ने बताया कि चुनावी तैयारियों में बसपा कहीं भी पीछे नहीं है। कार्यलयों के उद्घाटन किए जा चुके हैं। जनसंपर्क चल रहा है। आठ अप्रैल को मंडल स्तरीय कार्यक्रम होगा। 15 अप्रैल को पूर्व मुख्यमंत्री मायावती भी पीलीभीत आ रही हैं। इसकी तैयारी की जा चुकी है।

भाजपा-इंडिया गठबंधन की रैलियां आज

नई दिल्ली, ब्यूरो

- मेरठ में मोदी के साथ जयंत चौधरी और अरुण गोविल भी होंगे
- रामलीला मैदान, नई दिल्ली में आप के साथ गठबंधन नेता जुटेंगे



अमृत विचार। लोकसभा चुनाव प्रचार का शंखनाद रविवार को मेरठ में बीजेपी एवं दिल्ली में इंडिया गठबंधन की दो रैलियों से होगा। मेरठ की रैली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे और रामायण सीरियल में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल के लिए वोट मांगेंगे। उनके साथ राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी भी होंगे। दूसरी तरफ दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की रैली को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद

भी राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल की रैली से कर रहे हैं। इस रैली में बीजेपी के अलावा राष्ट्रीय लोकदल के नेता भी होंगे उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने आज ही चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान उनके पौत्र जयंत चौधरी को दिया है। दूसरी तरफ रामलीला मैदान में रविवार को आयोजित होने वाली रैली को पुलिस ने कुछ शर्तों के साथ अनुमति दी है। जिसमें 20 हजार कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल राय के मुताबिक महारैली का नारा तानाशाही हटाओ-लोकतंत्र बचाओ दिया जाएगा। यह पहला मौका होगा जब कांग्रेस के कार्यकर्ता और आप के कार्यकर्ता एक साथ किसी रैली में नजर आएंगे। नगर निगम एवं विधानसभा के चुनाव में दोनों दल अलग-अलग थे। आप ने गठबंधन के तहत दिल्ली में कांग्रेस को लोकसभा की तीन सीटें छोड़ दी हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली ने कहा है कि महा रैली के बाद तीनों प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी जबकि आपने चार सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। रैली में केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के आने की भी संभावना है, लेकिन अभी अधिकृत रूप से जानकारी नहीं दी गई है। मुख्यमंत्री की पत्नी ने लोगों से अपील की है कि वे केजरीवाल को अपना आशीर्वाद देने के लिए व्हाट्सएप पर संदेश भेज सकते हैं, जिसके नंबर 8297324624 एवं 9700297002 हैं।

जितन प्रसाद

1952 2019

पहले सांसद कांग्रेस से मुकुंदलाल अग्रवाल बने थे

सांसद चुने गये वरुण गांधी भाजपा के विरुद्ध बयानों के कारण इस बार टिकट कटा

○ दो अप्रैल को मुख्यमंत्री करेंगे प्रबुद्ध सम्मेलन, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई स्टार प्रचारक भी आ सकते

○ दो दशक बाद टिकट में बदलाव होने पर प्रतिष्ठा से जुड़ गई सीट, जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी की गई तय



